वेबसाईट : www.abvp.org पंजिकृत क्रमांक : S-385/1949-50

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद

केंद्रीय कार्यालय– 3, मार्बल आर्च, सेनापती बापट मार्ग, माटुंगा रोड (प.रे.), माहिम, मुंबई - 400016.
दूरभाष :(022) 24306321 / 24378866 फैक्स :24313938 ई–मेल : abvpkendra@gmail.com

दिनांक: 8 फरवरी, 2022

मुख्यमंत्री तमिलनाडु माननीय श्री एम. के. स्टालिन के नाम एक खुला पत्र

आदरणीय श्री एम. के. स्टालिन
मुख्यमंत्री, तमिलनाडु

विषय:- **लावण्या की दूसरी हत्या**

सम्मानित मुख्यमंत्री महोदय,

आपको यह पत्र आपके नेतृत्व में चल रही तमिलनाडु की **राज्य सरकार की आपराधिक असंवेदनशीलता** के विरुद्ध उभरे छात्रों और युवाओं के आक्रोश की स्याही से लिख रही हूँ| आपके शासन में एक अत्यंत मेधावी किशोरी को प्रताड़ित करके हिन्दू धर्म त्यागने के लिए मजबूर किया जा रहा था| योजनाबद्ध ढंग से मतान्तरण कराने के इस खेल में सेक्रेड हार्ट हायर सेकेंडरी स्कूल, तंजौर के मिशनरी शिक्षकों और उसके प्रशासकों की भूमिका स्पष्ट साक्ष्यों के साथ सामने आयी है| मेरी दिवंगत बहन लावण्या ने स्वयं अपनी मृत्युशैय्या पर अपने साथ हुए अत्याचारों की कहानी सुनाई है| सम्पूर्ण भारत में लावण्या के अपराधियों को दंड देने के लिए आवाजें उठ रही हैं| लेकिन **आपकी सरकार अपराधियों के साथ खड़ी दिख रही है**|

मैं पिछले गुरुवार को लावण्या के घर जाकर उसके माता-पिता और छोटे भाइयों से मिली| उनके साथ जो घटित हो रहा है वह तो अकल्पनीय रूप से कष्टकारी है| **छोटे बच्चों को पुलिस थाने में बैठा कर उनसे मनचाहा बयान देने का दबाव बनाना किस शासकीय नियमावली का हिस्सा है?** तमिलनाडु पुलिस यह कार्य क्यों और किसके इशारे पर कर रही थी?

आपको यह भी बताना होगा कि **लावण्या के परिवार को प्रताड़ित करके आप किसका लाभ सुनिश्चित करना चाहते हैं? श्री मुरूगानंदम (लावण्या के पिता) तो पिछले 25 वर्षों से आपकी पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता रहे हैं**, उनको भी आपके नेतृत्व में चल रही सरकार में आपने कष्ट देने के सभी प्रयास शुरू कर दिए हैं| आज तक **आपकी पार्टी का एक भी कार्यकर्ता अपने साथी कार्यकर्ता रहे मुरूगानंदम जी के दरवाजे पर नहीं गया**|

क्या मिशनरी शक्तियां पूरी तरह से आपके प्रशासन और पार्टी पर कब्ज़ा कर चुकी हैं? आज सारे तमिलनाडु सहित देश भर के लोगों में लावण्या के साथ हुई प्रताड़ना की चर्चा है| एक लोकतान्त्रिक देश में जबरदस्ती मतान्तरण कराने के क्रम में लावण्या को मृत्यु के गर्त्त में धकेला गया|

आप तमिलनाडु के मुख्यमंत्री होने के नाते लावण्या की जीवन लीला समाप्त कर देने वाले मिशनरी क्रियाकलापों से पूर्णतः सुपरिचित होंगे, अतः मैं घटनाक्रम के वर्णन में एक भी अक्षर व्यर्थ नहीं करुँगी| मैं आपसे मात्र इतना कहना चाहती हूँ कि **लावण्या को न्याय प्राप्त हो यह आपकी जिम्मेदारी** है| आप अपनी जिम्मेदारी के प्रति गंभीरता नहीं दिखा सके| आपसे और आपकी पार्टी से जुड़े हुए लोगों ने असंवेदनशील बयान दिए| उनसे भी कहीं आगे जाते हुए पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने न सिर्फ लावण्या के दोषियों को बचाने का प्रयास किया बल्कि उल्टे लावण्या और उसके परिवार पर ही ऊँगली उठाने के लिए भूमिका बांध दी| **31 जनवरी को माननीय मद्रास उच्च न्यायलय ने लावण्या के मामले में राज्य**

सरकार द्वारा बरती जा रही लापरवाही और अनुचित मंशा से आजिज आते हुए पूरे मामले की जाँच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) को देने का निर्देश दे दिया|

मुख्यमंत्री महोदय, मद्रास उच्च न्यायलय का यह निर्णय अपने आप में आपके नेतृत्व में चल रही सरकार की **नैतिक पथभ्रष्टता का प्रमाण-पत्र** है| आपकी सरकार ने इससे भी एक कदम आगे बढ़ते हुए **मद्रास उच्च न्यायलय के निर्णय को उच्चतम न्यायलय में चुनौती** देकर अपने इरादे पूरे पूरे स्पष्ट कर दिए हैं| आपकी सरकार राजनीतिक कारणों से लावण्या को न्याय प्राप्त नहीं होने देना चाहती है| **एक बार तो लावण्या की हत्या मिशनरी शक्तियों के षड़यंत्र से हो ही चुकी है अब आपकी सरकार और पार्टी लावण्या की दूसरी हत्या करना चाहती है**|

केंद्रीय संस्थानों के प्रति भी आपका रवैया संदेहकारी रहा है| आपकी सरकार ने राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (National Commission for Protection of Child Rights) और राष्ट्रीय महिला आयोग (National Commission for Women) के साथ इस मामले में बिल्कुल भी सहयोग नहीं किया है|

तमिलनाडु की धरती अद्वितीय प्रतिभाओं की जननी रही है जिन्होंने राष्ट्र की अनन्य सेवा की है| इस महान धरा पर आपके नेतृत्व में चल रहा शासन लावण्या जैसी एक उभरती हुई प्रतिभा को मतान्तरण कराने वाली शक्तियों के हाथों समाप्त होने देती है| इसके बाद भी **मतान्तरण की मंशा से कार्य करने वाली इन मिशनरी शक्तियों को आपका पूरा संरक्षण मिलता हुआ स्पष्ट रूप से दिखता है**| आज भी इस तरह की प्रतिभाओं को मिशनरी शक्तियों के द्वारा प्रताड़ित किया जा रहा है| यदि एक लावण्या को न्याय नहीं मिलता है तो आने वाले समय में समाज को न जाने कितनी लावण्या स्वीकार करने के लिए मजबूर होने पड़ेगा|

इस प्रताड़ना को रोकने के बजाय, इस मुद्दे का अनावश्यक राजनीतिकरण करके इसे दल-गत राजनीति का विषय बनाना दुर्भाग्यपूर्ण है| **युवाओं और छात्रों के बीच इस विषय पर अभूतपूर्व आक्रोश है**| पूरे देश भर में लावण्या के लिए छात्र सड़क पर उतर कर संघर्ष हुए दिखे हैं| छात्रों की मांग यह है कि **लावण्या के परिवार की प्रताड़ना तत्काल बंद हो तथा दोषी मिशनरी शक्तियों के विरुद्ध शीघ्रातिशीघ्र कार्यवाही हो**|

श्रीमान, लावण्या को जिल्दी से जल्दी न्याय मिले इसे सुनिश्चित करें अन्यथा छात्रों का आक्रोश न्याय मिलने तक शांत नहीं होगा|

प्रेषक

सुश्री निधि त्रिपाठी

राष्ट्रीय महामंत्री,
अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद